Daily Gospel Reflections in Hindi

10 July 2019

मारकूस 12:1-12

SERVANTS OF THE VINEYARD

हिंसक असामी– इस दृष्टांत में मुक्तिविधान का पूरा इतिहास है। दाखबारी का मालिक है ईश्वर (Gen. 1:1)। दारबारी इस्राएल राष्ट्र का प्रतीक है और इस्राएल प्रभु की चुनी हुई प्रजा है (Dt. 14:2)। दाखबारी के असामी यहूदी जनता है जो समय पर फसल का हिस्सा देते रहें (Gen. 2:15)। फसल का हिस्सा देते रहने का मतलब है कि हम ईश्वर की आज्ञाओं का पालन करते रहें (Ex. 19:5)। जब–जब फसल का हिस्सा देने में देरी हुई, जब–जब यहूदी जनता ईश्वरीय पथ से भटक गयी, तब–तब मालिक ने अपने नौकरों को भेजा। नौकर ईश्वर द्वारा भेजे हुए दूतों और नबियों का प्रतीक है जो जनता को सही मार्गदर्शन देते थे, ईश्वर की वाणी को लोगों तक पहुंचाते थे। असामियों ने किसी भी नौकर को नहीं बक्शा– किसी को अपमानित किया, किसी को मारा पीटा और अधिकांश को मार डाला। इस्राएल के बहुत कम नबी है जिनकी मृत्यु प्राकृतिक रूप से हुई थी– अधिकतर नबी बेमौत मारे गये थे (Lk.11:47, Mt.23:29)। अंत में– समय की पूर्णता में मालिक ने अपने इकलौते पुत्र को भेजा। ''समय पूरा हो जाने पर ईश्वर ने अपने पुत्र को भेजा'' (Gal. 4:4)। असामियो ने पुत्र को दारबारी के बाहर मार डाला। प्रभु येसु को येरुसालेम नगर के बाहर गोलगोथा में क्रूस पर चढ़ाया गया। और मालिक असामियों का सर्वनाश करेगा। इस्राएल राष्ट्र का भी पतन AD70 हुआ (Mk.13:2)।

Rev. Fr. Rojan Chirayath

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019